VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M N 11 SEP 2022 No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1837)

Name of Candidate	SHASHI SHEKHAR		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Registration Number	742438
Center	MN-DELHI	Date	10/09/22

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. (a) Explain why altruism constitutes one of the core values in public life. In this regard, suggest some measures to foster altruistic behaviour in public services. **(150 words) 10**

स्पष्ट कीजिए कि परोपकारिता सार्वजनिक जीवन में प्रमुख मूल्यों में से एक क्यों है। इस संबंध में लोक सेवाओं में परोपकारी व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए कुछ उपायों का सुझाव दीजिए।

परोपकारिता का तात्पर्य निःस्वार्थ भाव से दूसरों की सहायता करने से लगाया जाता है।

सार्वजनिक जीवन में परोपकारिता का महत्व

- लोकसेवकों में सहानुभूति तथा संवेदना के मूल्यों को बढ़ावा देने में सहायक
- नागरिक केंद्रित प्रशासन की दक्षता तथा प्रभावकारिता को समेकित करना
- लोक-केंद्रित कार्यान्वयन सुनिश्चित करना
- सुशासन के अनुरूप स्वयं की जगह जनता की भलाई को महत्व देना।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

परोपकारी व्यवहार बढ़ावा देने हेतु उपाय

- सार्वजनिक सेवा के कुछ नैतिक रोल मॉडलों के साथ परस्पर अनुक्रिया तथा संवाद को बढ़ावा
- प्रशिक्षण तथा फिल्ड अनुभवों में नैतिक मानदंडों को बढ़ावा देने वाले सिद्धांतों पर व्यवहारिक समझ बढ़ाना
- आचरण नियमावली तथा कोड ऑफ एथिक्स के प्रति जागरूकता तथा ज्ञान को प्रोत्साहन
- वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट में नैतिक व्यवहार तथा परोपकारिता मानदंडों का समावेश

उपरोक्त के साथ व्यक्तिगत नैतिक आचरण पर बल देने का प्रयास करना होगा ताकि लोकसेवाओं में परोपकारिता के मूल्य का समावेश हो सके।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** Certain actions can be right even though they do not maximize good consequences, for the rightness of such actions consists in their representing certain norms. Discuss with examples. **(150 words) 10**

कुछ कार्य सही हो सकते हैं, भले ही वे अच्छे परिणामों को अधिकतम न करें, क्योंकि ऐसे कार्यों का औचित्य उनमें शामिल कुछ मानदंडों में निहित होते हैं। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

कार्य करने के साधनों के अनुरूप कार्य की परिणामवादी व्याख्या की जगह साध्यों की नैतिकता पर ध्यान देना परिणाम-निरपेक्ष कार्य कहलाता है।

सही कार्य परंतु अपेक्षित परिणाम अधिकतम नहीं

— सार्वजनिक सेवा में पारदर्शिता तथा जवाबदेही बढ़ाने हेतु प्रयासों से कार्य की निष्पादन दर में धीमापन परंतु कार्य की परिणामवादी दृष्टिकोण को बढ़ावा। जैसे- उचित प्रक्रिया का पालन करने से लाल-फीताशाही का खतरा पर भ्रष्टाचार में कमी

— सहानुभूति तथा संवेदना मूल्य से प्रेरित

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लोकसेवा निष्पादन में जनता की इच्छाओं को समझना संभव परंतु इससे प्रक्रियागत प्रणालियों का बायपास किये जाने की आशंका

- अपराधियों को ऑन-द-स्पॉट सजा देने की मांग के बावजूद भीड़ के समक्ष साहस से खड़े होने की हिम्मत का रखना

- ईमानदारी तथा सत्यनिष्ठा प्रेरित नीति कार्यान्वयन से लाभार्थियों को सेवा मिलने में विलंब परंतु विधिक प्रक्रिया का पालन

क्योंकि उपरोक्त के साथ परिणामों की तर्कसंगतता की भी जाँच आवश्यक है। इससे परिणाम में अधुस्त होने की संभावना पर अंकुश लगाना संभव हो सकेगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(a) With the help of appropriate examples, discuss the ethical challenges involved in policing in India. Also, highlight the reasons behind corruption in the police force.** **(150 words) 10**

उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से भारत में पुलिसिंग (पुलिस व्यवस्था) में शामिल नैतिक चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। साथ ही, पुलिस बल में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारणों पर प्रकाश डालिए।

विधि का शासन बनाये रखने के साथ-2 लोकव्यवस्था एवं शांति स्थापना बनाकर न्याय सुनिश्चित करना पुलिसिंग का दायित्व है।

पुलिसिंग व्यवस्था में नैतिक चुनौतियां

— ऑन-द-स्पॉट न्याय दिलवाने की भावना बनाम विधि का शासन तथा विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया, जैसे— गैंगरेप या जघन्य अपराध के आरोपी को फेक एनकाउंटर में मारने की मांग

— राजनीतिक दबाव का पालन बनाम कानून का पालन, जैसे— राजनीतिक कार्यपालिका के मौखिक आदेशों का अनुपालन

— कार्य के निर्धारित घंटों से ज्यादा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कार्य करना बनाम कार्य की निर्धारित पद्धति तक ही कार्य करना

- स्वयं के हितों तथा भ्रष्टाचार हेतु लालच बनाम सार्वजनिक सेवा में नैतिकता

भ्रष्टाचार के कारण

- पुलिस बलों के कर्मियों में सामाजिक-नैतिक मूल्यों का ह्रास
- भ्रष्टाचार की सामाजिक स्वीकार्यता
- घूस देकर नौकरी लेने के बदले रिटर्न हेतु भ्रष्टाचार
- कम वेतन तथा वित्तीय प्रतिफल
- कार्य का दबाव
- भ्रष्टाचार के प्रति आक्रामक नीतियों की अनुपस्थिति

CBI, लोकपाल तथा लोकायुक्त, निगरानी विभाग आदि के द्वारा प्रभावी भ्रष्टाचार निगरानी उपाय अपनाने चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) A right combination of spirit and structure is integral to ethical corporate governance. Discuss. (150 words) 10

भावना और संरचना का सही संयोजन नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस का अभिन्न अंग होता है। चर्चा कीजिए।

कॉरपोरेट गवर्नेंस के अंतर्गत कंपनी द्वारा नैतिक मूल्यों तथा विधिक उपायों का अनुसमर्थन करके एक स्वस्थ कार्यप्रणाली विकसित करना शामिल है।

कॉरपोरेट गवर्नेंस में भावना तथा संरचना का महत्व

- कंपनी की नैतिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता की भावना से ऊर्ध्व निगमीय अभिशासन को बढ़ावा
- कंपनी के डायरेक्टरों तथा निदेशक मंडल के नियुक्ति तथा चयन में पक्षपातरहित तरीके से योग्यता आधारित नियुक्ति
- बोर्ड का नैतिक मूल्यों से युक्त योजनाओं का क्रियान्वयन तथा निर्माण

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- कंपनी के सभी हितधारकों के प्रति एक व्यापक जवाबदेही की भावना के विकास में सहायक एवं एक फाउंडर तथा बोर्ड के भावनाओं के अनुरूप

- भ्रष्टाचार के प्रति जीरो-टॉलरेंस नीति के अनुरूप आंतरिक जाँच-शिकायत तंत्र का निर्माण तथा उसका सुदृढ़ीकरण

- सामाजिक उत्तरदायित्व तथा पर्यावरणीय संरक्षण विकास के प्रति कंपनी के लक्ष्य, विजन एवं दर्शन की भावना।

उपरोक्त की महत्ता दालिया सत्यम घोटाले, किंगफिशर घोटाला तथा IL&FS संकट के समय दिखाई देती है। उदय कोटक समिति ने कॉरपोरेट गवर्नेंस संबंधी सिफारिशों पर इस संबंध में व्यापक ध्यान देने की आवश्यकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (a) It is not only public servants, but also the common citizens who play a key role in institutionalising high standards of ethical conduct and good governance. Elaborate. **(150 words) 10**

न केवल लोक सेवक, बल्कि आम नागरिक भी नैतिक आचरण और सुशासन के उच्च मानकों को संस्थागत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए।

सुशासन आधारित जनसेवा तथा सार्वजनिक सेवा वितरण में सामाजिक स्तर के साथ-2 प्रशासनिक एवं नैतिक स्तर पर उच्च नैतिक मूल्यों का अनुपालन की मांग होती है

इस संदर्भ में लोकसेवकों की भूमिका

— उच्चतम नैतिक मानकों का पालन करके सामाजिक समरसता बनाना

— नैतिक प्रथाओं तथा प्रणालियों का संस्थागत तंत्रों में समावेश करके उसे सार्वजनिक स्वीकृति दिलवाना

— जनता के समक्ष रोल मॉडल की तरह नैतिक प्रथाओं का पालन करके उसे अंगीकृत करने हेतु प्रोत्साहन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नैतिक आचरण तथा सुशासन को संयोजित बनाने में आम नागरिकों की भूमिका

- प्रशासनिक कर्मियों के साथ ईमानदारी पूर्वक डाटा तथा सूचना शेयर करना ताकि बेहतर नीति निर्माण हो सके
- पारदर्शिता तथा भ्रष्टाचार उन्मूलन हेतु सक्रीय एवं प्रभावी भूमिका का निर्वहन
- सार्वजनिक सेवा वितरण में अकुशलता, अदक्षता तथा अक्षमता के विरुद्ध व्यापक स्तर पर आवाज उठाना
- अनुक्रियाशीलता के मूल्यों को बढ़ावा देना

एक बेहतर सुशासन व्यवस्था एवं नैतिक मूल्यों से युक्त समाज का बनना तभी संभव है, जब जनता तथा लोकसेवकों के मध्य उत्तरोत्तर के प्रति प्रभावी समझ एवं समन्वय हो।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** Public administration in India suffers from the 'working-in-silos' culture. In this context, discuss the importance of cooperation, coordination and collaboration for efficient governance. **(150 words) 10**

भारत में लोक प्रशासन 'एकाकी कार्य' संस्कृति ('वर्किंग-इन-साइलो' कल्चर) से ग्रस्त है। इस संदर्भ में, कुशल गवनेंस के लिए सहयोग, समन्वय और सहभागिता के महत्व पर चर्चा कीजिए।

एकाकी कार्य संस्कृति का तात्पर्य है कि अपने संगठन/विभाग/एजेंसी के ही पदानुक्रम व्यवस्था पर ज्यादा फोकस करना। इसमें समग्र तथा व्यापक लक्ष्यों के प्रति उदासीनता का आयाम समाहित रहता है।

भारतीय लोकप्रशासन में एकाकी कार्य-संस्कृति के कारण

- प्रशासन में राजनीतिक दबाव की वजह से अपने विभागीय कार्यों पर ज्यादा जोर
- लोकसेवकों के मध्य जड़ता तथा इस संबंध में नवाचारों के प्रति उदासीन रवैया
- ACR में समन्वय आधारित मूल्यांकन की जगह प्रदर्शन पर ज्यादा जोर

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कुशल गवर्नेंस में सहयोग, समन्वय तथा सहभागिता का महत्व

- जनकेंद्रित प्रशासन के अनुरूप अंतर-एजेंसी तथा अंतरविभाग सहयोग तथा समन्वय से जनता की समस्याओं का निराकरण
- समस्याओं तथा मुद्दों की ज्यादा प्रभावी तथा बेहतर समझ का विकास
- सभी हितधारकों से इनपुट लेकर एक समावेशी नीति निर्माण को बढ़ावा
- सुशासन केंद्रित सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक

उपरोक्त मत्व के अनुरूप लोकसेवकों में सहभागिता तथा समन्वय की संस्कृति पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) While emotional intelligence is an essential tool for a public servant, it can also be misused to manipulate people to act against their own interests. Discuss with examples. **(150 words) 10**

हालांकि, भावनात्मक बुद्धिमत्ता लोक सेवक के लिए एक आवश्यक साधन होता है, लेकिन लोगों को अपने हितों के विरुद्ध कार्य करने के लिए प्रेरित करने हेतु इसका दुरुपयोग भी किया जा सकता है। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

एवं दूसरों की
अपनी भावनाओं की पहचान तथा
लक्षित उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु उसका प्रबंधन
तथा विनियमन करना भावनात्मक बुद्धिमता
कहलाती है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता द्वारा लोकसेवा निष्पादन

- जनता की समस्याओं तक सहानुभूतिपूर्वक पहुँच एवं समझ का विस्तार करके शासन का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना
- संघर्ष समाधान में सहायक
- स्वयं के हितों की जगह सार्वजनिक हित को बढ़ावा
- राजनीतिक दबाव एवं सामाजिक मांग की जगह विधि का शासन एवं संविधान के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता सुनिश्चित करना

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का दुरुपयोग

- दूसरों की भावनाओं की समझ तथा इसे अपने स्वार्थ के अनुरूप मोड़ने की कला से दुरुपयोग संबद्ध
- भावनाओं को भड़काने के एक हथियार के रूप में प्रयोग
- सामाजिक समरसता तथा सौहार्द के विरुद्ध इसका सामूहिक प्रयोग

उपरोक्त के मद्देनजर एक ज्यादा नैतिक तथा प्रबंधित EI पाठ्यक्रम विकसित करना चाहिए। इसे प्रशिक्षण तंत्र में एकीकृत करके ज्यादा प्रभावी सुशासन प्राप्ति में इसका सकारात्मक उपयोग हो सकेगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** Social influence is an ambivalent concept. It can be a source for good, bad and even for evil. Discuss with the help of relevant examples.

(150 words) 10

सामाजिक प्रभाव एक विरोधाभाषी अवधारणा है। यह अच्छे, बुरे और यहां तक कि अशुभ के लिए भी एक स्रोत हो सकता है। प्रासंगिक उदाहरणों की सहायता से विवेचना कीजिए।

सामाजिक मूल्यों तथा कार्यों के अनुरूप व्यक्ति तथा समाज/परिवार की अनुक्रिया एवं परस्पर प्रभावित करने का दृष्टिकोण सामाजिक प्रभाव कहलाता है।

अच्छे का स्रोत

- नैतिक मानदंडों तथा आचरण की सामाजिक स्वीकृति में सहायक, जैसे - अहिंसा तथा सत्याग्रह के मूल्य विकास में गांधीजी की भूमिका का प्रभाव
- स्वयं के हितों की जगह सार्वजनिक तथा राष्ट्रीय हितों को वरीयता जैसे - बिना नाम की लालसा से लोकसेवकों का कार्य करना
- ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, समर्पण तथा सहानुभूति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जैसे मूल्यों का बढ़ावा

बुरे का स्रोत

- महिलाओं के प्रति लैंगिक भेदभाव एवं पितृसत्तात्मकता सामाजिक प्रभाव की वजह से, जैसे – परिवार में बच्चे द्वारा महिला सदस्यों के प्रति अन्य के व्यवहार से सीखना
- भ्रष्टाचार की सामाजिक स्वीकृति, लोकसेवा में जाने की लालसा में गलत स्रोत का चयन आदि पर प्रभाव

अच्छे का स्रोत

- धार्मिक, नृजातीय तथा नस्लीय कट्टरपंथ एवं उन्माद का बढ़ावा एवं यह हिंसा का कारण जैसे – हिटलर द्वारा यहूदियों का नरसंहार, जापानी द्वारा कोरियाई लोगों का उत्पीड़न आदि

आवश्यकता इस बात है कि सामाजिक एवं पारिवारिक स्तर पर नैतिक मूल्य विकास को बढ़ावा दिया जाये।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(a)** Effective public service delivery demands a people-centric approach, which is built upon coordination and leverages technology. Discuss.

(150 words) 10

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण एक जन-केंद्रित दृष्टिकोण की मांग करता है, जो समन्वय पर आधारित होता है और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाता है। चर्चा कीजिए।

सार्वजनिक सेवा वितरण के अंतर्गत स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा की उपलब्धता, पोषण तथा खाद्य सुरक्षा, सामाजिक कल्याण आदि का जनता तक वितरण शामिल होता है।

इस संदर्भ में जन-केंद्रित दृष्टिकोण का महत्व

- सुशासन के लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक
- जनता की समस्याओं तक प्रभावी समझ का विकास
- राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने में सहभागिता का मूल्य विकास करना
- विकेंद्रीकरण तथा ग्रामीण आत्मनिर्भरता में सहायक
- पारदर्शिता तथा जवाबदेही के साथ लक्षित उद्देश्यों का कुशल निष्पादन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस संदर्भ में समन्वय तथा तकनीक का लाभ

- समन्वयकारी दृष्टिकोण के साथ सभी हितधारकों को लेकर चलने से समस्याओं की उचित समझ
- साझा ज्ञान तथा अनुभवों से व्यापक एवं समग्र लाभ सुनिश्चित होना
- तकनीकी प्रयोग से भ्रष्टाचार उन्मूलन
- जैसे - D.B.T के माध्यम से, ब्लॉकचेन तकनीकी से भूमि रिकॉर्ड आदि
- तकनीकी प्रयोग से सार्वजनिक सेवा वितरण की दक्षता एवं कुशलता पर सकारात्मक प्रभाव

एक आर्थिक रूप से समृद्ध, सामाजिक रूप से समावेशी एवं पर्यावरणीय रूप से संधारणीय सेवा वितरण की दिशा में हमें आगे बढ़ने हेतु कार्य करना होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** Highlight the important teachings of Kautilya that are relevant to public services in 21st century India. **(150 words) 10**

कौटिल्य की उन महत्वपूर्ण शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए, जो 21वीं सदी के भारत में लोक सेवाओं के लिए प्रासंगिक हैं।

कौटिल्य द्वारा लगभग तीसरी सदी ईसा पूर्व में लोकसेवा तथा अन्य प्रशासनिक आर्थिक पहलुओं को संदर्भित अर्थशास्त्र पुस्तक लिखी गई थी।

कौटिल्य की महत्वपूर्ण शिक्षाएं

- राजा को जनता की संतुष्टि पर ध्यान देना चाहिए। वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था में जनता केंद्रित शासन में इसका सूत्र समाहित है।
- प्रशासन में भ्रष्टाचार उन्मूलन हेतु सुझावों की प्रासंगिकता
- सार्वजनिक सेवकों में उच्चतर नैतिक एवं सामाजिक मानदंडों के पालन की अपेक्षा रखना वर्तमान समय की भी

मांग है

- सार्वजनिक धन का उचित तथा कुशल व्यय सुनिश्चित करना एवं वर्तमान राजकोषीय अनुशासन में इसकी महत्ता
- जनता की समस्याओं की समझ तथा उसका निराकरण करने हेतु प्रक्रियागत जटिलता की जगह शासक एवं जनता के मध्य आपसी संवाद सुलभ करना
- न्याय को बढ़ावा देकर लोक-कल्याण का मार्ग प्रशस्त करना
- मंडल सिद्धांत के अनुरूप ज्यादा प्रभावी तथा व्यवहारिक विदेश नीति निर्माण

कौटिल्य द्वारा प्रशासनिक उपायों तथा सिद्धांतों का सेट वर्तमान लोकसेवा के लिए भी उतना ही व्यवहारिक प्रतीत होता है

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What do each of the following quotations mean to you?

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

(a) "What counts in life is not the mere fact that we have lived. It is what difference we have made to the lives of others that will determine the significance of the life we lead." Nelson Mandela **(150 words) 10**

"जीवन में जो मायने रखता है वह केवल यह तथ्य नहीं है कि हमने अपना जीवन जिया है। दूसरों के जीवन में हमने जो बदलाव लाया है, वह हमारे जीवन के महत्व को निर्धारित करेगा।"
- नेल्सन मंडेला

उपरोक्त पंक्तियों के माध्यम से मंडेला ने सार्वजनिक जीवन का महत्व तथा अपने जीवन से परोपकारिता दिखाने की भावना का वर्णन किया गया है।

उपरोक्त कथन का मेरे लिए अर्थ

— जीवन को समुदाय की भलाई में लगाना

— दूसरों की पीड़ा के प्रति सहानुभूति तथा उस ओर अपना रचनात्मक सहयोग देना

— व्यक्तिगत हितों की जगह सार्वजनिक तथा सामाजिक विकास को बढ़ावा

— रोल मॉडल की तरह पेश आना ताकि

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उच्चतम नैतिक मूल्यों को दूसरों के लिए भी अपनाने हेतु प्रोत्साहन

इसकी समकालीन प्रासंगिकता

- भौतिकवादी तथा अणुवादी समाज में स्वहित को ध्यान देना अतः उपरोक्त कथन से सीख लेकर जीवन का मर्म समझना
- भ्रष्टाचार, स्वार्थपरकता, तुच्छ स्वहित की भावना की जगह सार्वजनिक मितव्ययिता, धन का प्रभावी विधायी खर्च सुनिश्चित करना
- समाज में समरसता का भाव तथा असमानता में कमी के प्रयास

व्यक्ति के समाज का अंग होने के कारण सामाजिक बदलाव तथा नैतिक प्रसार का ध्वजवाहक बनने की उम्मीद की जाती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (b) "I care only for the spirit when that is right, everything will be righted by itself". Swami Vivekananda. (150 words) 10

"मुझे केवल मूल की परवाह है जब वह सही होगा, तो सब कुछ स्वयं ही सही हो जाएगा।" - स्वामी विवेकानंद

उपरोक्त के माध्यम से विवेकानंद ने आत्मन / Spirit की महत्ता को दर्शाने का प्रयास किया है। हमारे द्वारा कोई भी कार्य किसी भावना, सिद्धांत तथा उद्देश्य से प्रेरित होता है। इसी भावना, सिद्धांत, उद्देश्य के चालक (driving force) को स्पीरिट की संज्ञा दी जाती है।

उपरोक्त का मेरे लिए महत्व

- कार्य की नैतिकता का निर्धारण करने में सहायक
- परिणाम की जगह साधनों की नैतिकता पर बल
- भावनात्मक समझ के विकास में सहायक क्योंकि कार्य की संज्ञा पर हमारे विचारों

एवं भावनाओं का प्रभाव
- परिणाम के प्रति आश्वस्त होकर व्यापार प्रणाली इनपुट लगाने हेतु प्रोत्साहन

समाज तथा लोकसेवा में इसका महत्व

- सुशासन के वांछित उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक
- नैतिक साधनों को अपनाकर भ्रष्टाचार उन्मूलन
- सामाजिक असमानता को दूर करने में लक्ष्यों, साधनों तथा मार्गों की पहचान करना
- विधायी सत्यता की ओर जाना

वस्तुतः नैतिक होने की सोच से परिणाम का भी नैतिक होना स्वाभाविक है एवं यही इन पंक्तियों के माध्यम से समझाया गया है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (c) "True peace is not merely the absence of tension; it is the presence of justice." Martin Luther King Jr (150 words) 10

'वास्तविक शांति केवल तनाव की अनुपस्थिति नहीं है; बल्कि यह न्याय की उपस्थिति भी है।" - मार्टिन लूथर किंग जूनियर

मार्टिन लूथर किंग जूनियर अश्वेत अमेरिकी राजनेता तथा विचारक थे, जिन्होंने अश्वेतों के प्रति भेदभाव तथा शोषण का प्रतिकार किया। इनके प्रयासों से ही USA में रंगीय भेदभाव का उन्मूलन हुआ।

उपरोक्त कथन में इन्होंने शांति स्थापना में न्याय की महत्ता दर्शायी है।

उपरोक्त कथन का मेरे लिए तात्पर्य

- सार्वजनिक सेवाओं तथा संस्थानों के न्यायपूर्ण वितरण पर सकारात्मक सोच का बढ़ावा
- तनाव कम करने में न्यायोचित बर्ताव तथा न्यायपूर्ण पहलुओं की सकारात्मक तथा रचनात्मक भूमिका

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- शांति की दीर्घकालीन तथा स्थायी सुनिश्चितता में न्याय का समग्र तथा व्यापक महत्व

— तनाव अनुपस्थिति की शांति स्थापना का महत्वपूर्ण वाहक तथा चालक

— असमानता के विरुद्ध संघर्ष में न्याय प्रक्रिया को बढ़ावा

- सामाजिक समरसता तथा सद्भाव को बढ़ाकर शांति स्थापना को प्रोत्साहन तथा अनुसमर्थन

बढ़ते वैश्विक तनाव तथा नृजातीय-भाषाई-धार्मिक संघर्ष एवं टकराव के दौर में तनाव कम करने तथा स्थायी शांति बनाने में न्याय की अहम भूमिका को समझने की आवश्यकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरण का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्द):

7. You have recently graduated from college and are now preparing for the civil services examination. While reading the newspaper, you come across a news report of a Non-Governmental Organisation (NGO), working for child rights, challenging a provision of the Juvenile Justice Act, 2015, in the Supreme Court of India. The said provision provides for the option of Children in Conflict with Law (CCL) to be tried as adults under certain circumstances. The NGO's plea is that children are not able to understand the gravity of crimes. It has also contended that the criminal acts committed by children are a reflection of failure of the society to take care of its children. In the context of this situation, as a young aspirant, answer the following questions:

(a) What are the possible factors that can drive a child towards committing heinous crimes?

(b) Is it ethical to punish children as adults rather than giving them a chance for reformation? **(20)**

अपने हाल ही में कॉलेज से स्नातक किया है और अब आप सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। समाचार पत्र पढ़ते समय, आप बाल अधिकारों के लिए काम कर रहे एक गैर-सरकारी संगठन (NGO) की एक खबर के बारे में पढ़ते हैं, जिसमें भारत के उच्चतम न्यायालय में किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के एक उपबंध को चुनौती दी गई है। उक्त उपबंध कुछ परिस्थितियों में कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चों (CCL) पर वयस्क के रूप में मुकदमा चलाने के विकल्प का प्रावधान करता है। उस NGO की दलील है कि बच्चे अपराधों की गंभीरता को समझने में सक्षम नहीं होते हैं। NGO ने यह भी तर्क दिया है कि बच्चों द्वारा किए गए आपराधिक कृत्य अपने बच्चों की देखभाल करने में समाज की विफलता का प्रतिबिंब हैं। उपर्युक्त परिस्थिति के संदर्भ में तथा एक युवा अभ्यर्थी के रूप में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) वे कौन-से संभावित कारक हैं जो एक बच्चे को जघन्य अपराध करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं?

(b) क्या बच्चों को सुधार का एक मौका देने के बजाय उन्हें वयस्कों के रूप में दंडित करना नैतिक है?

उपरोक्त प्रसंग में जघन्य अपराधों के प्रति बच्चों को वयस्क मानने या ना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मानने से संबंधित मुद्दे का वर्णन किया गया है। प्रमुख हितधारकों में में, NGO, उच्चतम न्यायालय, भारत सरकार, वयस्क घोषित अपराधिक बच्चे आदि आते हैं।

(9)

जघन्य अपराधों को प्रेरित करने वाले कारक

- सामाजिक परिवेश का प्रभाव जिसमें उनका पालन पोषण किया जाता है।
- माता-पिता द्वारा उदासीनता तथा बच्चों में नैतिक-सामाजिक मूल्यों के विकास पर ध्यान ना देना
- टीवी, सोशल मीडिया तथा इंटरनेट आधारित अश्लील तथा भड़काऊ कंटेंट की बेरोकटोक पहुँच से महिलाओं के प्रति अपराध को बढ़ावा

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

— विज्ञापनों तथा होर्डिंगों के द्वारा गलत प्रचार-प्रसार

— बेरोजगारी तथा गरीबी की वजह से अशिक्षा एवं उसके प्रति सामाजिक विद्वेष की भावना

— आर्थिक असमानता की वजह से उत्पन्न ईर्ष्या, सामाजिक तथा पारिवारिक विषमता का प्रभाव

— मनोवैज्ञानिक कारकों की वजह से व्यक्तिगत समस्याएँ

— अपराधी प्रवृत्ति के बालिग व्यक्तियों द्वारा जानबूझकर उकसाया जाना

— फिल्मों आदि के माध्यम से अपराधों का ग्लैमराइजेशन

— सामाजिक कल्याण योजनाओं की

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बच्चों तक प्रभावी पहुँच का अभाव

(b) इस विषय पर पर्याप्त बहस तथा मतांतर है कि क्या बच्चों को वयस्कों की तरह ट्रीट करना चाहिए?

ट्रीट करने के पक्ष में तर्क

- वर्तमान कानूनी प्रावधानों के अनुरूप
- किशोर न्याय अधिनियम के तहत एक तंत्र उपलब्ध
- जघन्यतम अपराधों को करने के पहले वह बच्चे की जगह वयस्क की तरह सोचता है।
- पीड़ितों को न्याय दिलाने के अनुरूप
- अपराधों को रोकने में कठोर दंड का अहम रोल

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने का सांकेतिक कदम

विपक्ष में तर्क

— एक समाज तथा राज्य की विफलता का परिणाम क्योंकि जन्म से ही कोई अपराधी नहीं होता

— नैतिक तौर पर सुधरने का मौका देने की जगह दंड से और ज्यादा जघन्यतम अपराध संभव

— न्याय की अधूरी संकल्पना क्योंकि सुधार की गुंजाईश कम

उपरोक्त जटिल मुद्दों के मद्देनजर तथा निर्भया गैंगरेप के संदर्भ में हमें एक ज्यादा व्यापक विचार-विमर्श आधारित नीति हेतु संवाद को बढ़ावा देना चाहिए

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. You are a CEO-founder of an edTech company. You are under tremendous pressure from the investors in your company to increase the profitability of the company and undertake downsizing. After making a few bad acquisitions, the company's finances have taken a huge hit in the last couple of years. The downsizing is suggested with the hope that the company's profitability would rise, as it often does when mass

layoff or downsizing decisions are carried out. Moreover, the investors have hinted that such measures would attract further investment from them, which has come as a ray of hope considering the ongoing volatile market conditions and slowdown in big-ticket fundings. Given the situation, rumors of unscrupulous firing have started doing the rounds among employees. It has increased apprehensiveness and reduced cohesiveness among them. You have informed the investors that the cost cutting exercise can affect the output as well as reputation of the company in the long-run. However, they are adamant to pursue the same.

(a) Identify the stakeholders and ethical issues involved in the case.

(b) You and the HR team have identified some options and are deliberating to put them across to the investors for consideration. Discuss the merits and demerits of each of these:

(i) Identifying key high performers and offering them suitable positions before implementing the layoff decision.

(ii) Putting the terminated employees on retainer to work part-time.

(iii) Executing the lay off order in the same spirit as it was asked by the investors and letting them deal with the long-term consequences.

(iv) Improving the perception of fairness among the existing and terminated employees and moving ahead with the layoffs.

(c) Without restricting yourself to the above options, discuss the course of action you will take, and provide adequate reasons for the same.

(20)

आप एक एडटेक कंपनी के सह-संस्थापक और सी.ई.ओ. हैं। कंपनी की लाभप्रदता बढ़ाने और छंटनी (डाउनसाइजिंग) करने के लिए आपके ऊपर कंपनी के निवेशकों का जबरदस्त दबाव है। कुछ खराब अधिग्रहण करने के बाद, पिछले कुछ वर्षों में कंपनी की वित्तीय स्थिति में भारी गिरावट आई है। ऐसे में छंटनी का सुझाव कंपनी की लाभप्रदता में वृद्धि की उम्मीद के साथ दिया गया है, क्योंकि सामान्यतः बड़े पैमाने पर छंटनी के निर्णय से लाभप्रदता बढ़ती है। इसके अलावा, निवेशकों ने संकेत दिया है कि इस तरह के उपायों के परिणामस्वरूप वे कंपनी में और अधिक निवेश कर सकते हैं, जो बाजार में चल रहीं अस्थिर स्थितियों एवं अधिकाधिक फंडिंग में कमी को देखते हुए आशा की किरण के रूप में हैं। इस स्थिति को देखते हुए कर्मचारियों के बीच बेवजह नौकरी से हटाये जाने की अफवाहों का दौर शुरू हो गया है। इन सब बातों ने उनके बीच आशंका को बढ़ाया है और एकजुटता को भी कम किया है। आपने निवेशकों को सूचित किया है कि लागत में कटौती के प्रयास से कंपनी के उत्पादन के साथ-साथ दीर्घावधि में प्रतिष्ठा भी प्रभावित हो सकती है। हालांकि, वे इसी उपाय को अपनाने पर अड़े हुए हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) इस प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आपने और HR टीम ने निम्नलिखित कुछ विकल्पों की पहचान की है तथा उन्हें विचार के लिए निवेशकों के सामने रखने की सोच रहे हैं। इनमें से प्रत्येक के गुणों और दोषों की विवेचना कीजिए:

(i) छंटनी के फैसले को लागू करने से पहले उच्च प्रदर्शन करने वाले अग्रणी कर्मचारियों की पहचान करना और उन्हें उपयुक्त पदों की पेशकश करना।

(ii) हटाये जाने वाले कर्मचारियों को पार्ट-टाइम काम करने के लिए रिटेनर के तौर पर रखना।

(iii) छंटनी के आदेश को उसी भावना से निष्पादित करना जैसा कि निवेशकों द्वारा कहा गया था और उन्हें दीर्घकालिक परिणामों से निपटने की अनुमति देना।

(iv) मौजूदा और हटाये गए कर्मचारियों के बीच निष्पक्षता की धारणा में वृद्धि करना और छंटनी के उपाय के साथ आगे बढ़ना।

(c) स्वयं को उपर्युक्त विकल्पों तक सीमित किए बिना, आपके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई पर चर्चा कीजिए और उसके लिए पर्याप्त कारण बताएं।

उपरोक्त केस स्टडी में निवेशकों के हितों एवं कर्मचारियों की स्थिति का वर्णन है।

(a) शामिल हितधारक

- सह-संस्थापक के रूप में मैं
- कंपनी के निदेशक
- कर्मचारी
- कंपनी का निदेशक बोर्ड
- कंपनी के कर्मचारियों का परिवार

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अंतर्निहित नैतिक मुद्दे

- निवेशकों का दबाव बनाम कर्मचारियों का हित
- लाभप्रदता की आशंका बनाम कर्मचारियों में एकजुटता की कमी
- अफवाह बनाम वास्तविक स्थिति के पूर्ति आशंका
- खराब अधिग्रहण की जिम्मेदारी का वहन
- कंपनी की वित्तीय स्थिति बिगड़ने में कर्मचारियों की प्रत्यक्ष भूमिका या संलिप्तता का अभाव
- घाटे से लाभ बढ़ने की आशंका का कोई तार्किक आधार नहीं
- उत्पादन में गिरावट तथा कंपनी की

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रतिष्ठा पर प्रभाव
– कॉरपोरेट गवर्नेंस का मुद्दा

(b) विकल्प 1 के गुण

– कर्मचारी गुणवत्ता का आंकलन
– उच्च प्रदर्शन निष्पादन को प्रोत्साहन
– निवेशकों के निवेश के अनुरूप
– लाभप्रदता बढ़ने की आशंका

विकल्प 1 के दोष

– ज्यादातर कर्मचारियों की छँटनी संभव
– कर्मचारियों का विश्वास कम होना
– बेवजह निकालने का वित्तीय- मनोवैज्ञानिक प्रभाव

विकल्प 2

गुण	दोष
– पूर्ण छँटनी की जगह विकल्प देना	– ज्यादातर कर्मचारियों की वित्तीय स्थिति पर प्रभाव

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- वित्तीय सुरक्षा
- निवेशकों के अनुरूप
- लाभप्रदता में बढ़ोतरी

- अविश्वास तथा संदेह की भावना बढ़ना
- उत्पादन एवं प्रतिष्ठा में गिरावट

विकल्प 3

गुण

- निवेशकों का विश्वास अर्जित करना
- अधिक फंडिंग जमा करना

दोष

- कर्मचारियों का कंपनी के प्रति अनिच्छा
- नैतिक कॉरपोरेट मानकों के विरुद्ध

विकल्प 4

गुण

- निवेशकों का सहयोग
- फंडिंग मिलना
- लाभप्रदता सुधार

दोष

- कर्मचारियों की दक्षता तथा प्रभाविकता पर प्रहार
- उत्पादन तथा प्रतिष्ठा में गिरावट

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) मेरी कार्यवाई तथा निहित कारण

① सीएजी पर के ऑडिट द्वारा वित्तीय स्थिति का आंकलन ताकि वित्तीय निर्णय का प्रभाव पता चल सके
↓
बकाया धनी की संख्या तथा तार्किकता का आंकलन होगा।

② खराब अधिग्रहण सौदों की जाँच तथा संलिप्त लोगों को धनी करना क्योंकि इनके खराब निर्णय से वित्तीय स्थिति पर प्रभाव

③ कर्मचारियों को वास्तविक स्थिति बताकर निवेशकों की मंशा स्पष्ट करना जिससे निवेश उच्चारण रूप से संभव

④ पार्ट-टाइम रोजगार देकर वित्तीय सुरक्षा में योगदान देना

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. There is an ongoing ethnic civil war in a neighbouring country. The conflict has caused massive displacement of people from the country. Ironically, the developed countries have closed off their borders to the refugees on account of the COVID-19 pandemic, resource competition, domestic politics etc. With countries sealing off their borders, the refugees are left in a vulnerable situation and many are taking illegal routes to enter your country. As a Senior Official of your country's Ministry of External Affairs, you have been involved in discussions with officials of other nations and are entrusted with the mandate to design a national policy to safely accommodate India bound refugees. In this context, answer the following questions:

(a) Discuss the moral issues related to the rights of international refugees, especially those from conflict-torn regions.

(b) What recommendations would you suggest given the large influx of refugees in India. **(20)**

एक पड़ोसी देश में नृजातीय गृह-युद्ध जारी है। यह संघर्ष उक्त देश से लोगों के बड़े पैमाने पर विस्थापन का कारण बन गया है। विडंबना यह है कि विकसित देशों ने कोविड-19 महामारी, संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा, घरेलू राजनीति आदि के कारण शरणार्थियों हेतु अपनी सीमाओं को बंद कर दिया है। देशों द्वारा अपनी सीमाओं को बंद करने के कारण शरणार्थियों की स्थिति असुरक्षित हो गई है और वे आपके देश में प्रवेश करने के लिए कई अवैध मार्ग अपना रहे हैं। अपने देश के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में, आप दूसरे देशों के अधिकारियों के साथ चर्चा में शामिल रहे हैं और आपको भारत में रहने वाले शरणार्थियों को सुरक्षित रूप से समायोजित करने के लिए एक राष्ट्रीय नीति तैयार करने का कार्य सौंपा गया है। इस संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थियों, विशेष रूप से संघर्षग्रस्त क्षेत्रों से आने वाले शरणार्थियों, के अधिकारों से संबंधित नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) भारत में शरणार्थियों की बड़ी संख्या के आगमन को देखते हुए आप क्या सुझाव देंगे।

उपरोक्त संदर्भ में महामारी जनित तथा नृजातीय संघर्ष जनित शरणार्थी समस्या तथा अवैध प्रवासन का वर्णन किया गया है।

(c) **शरणार्थियों के अधिकारों से संबंधित नैतिक मुद्दे**

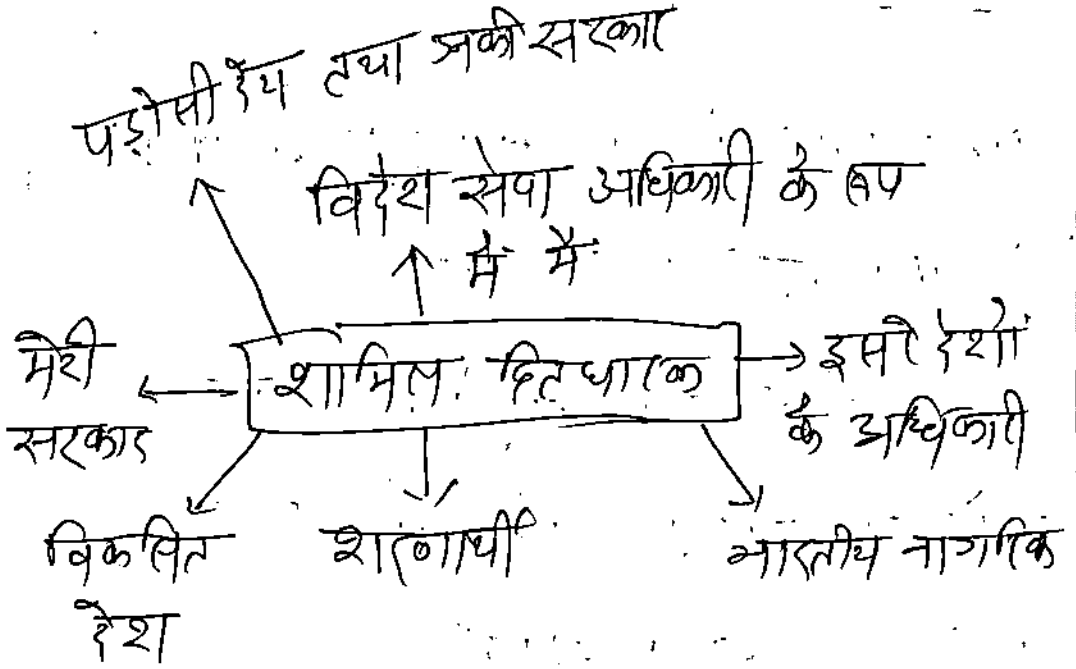

- नृजातीय संघर्ष की वजह से हिंसक भावना का प्रभाव
- महिलाओं तथा बच्चों एवं वृद्धों पर ज्यादा प्रभाव
- कोविड-19 महामारी की वजह से देश में प्रवेश से वहाँ महामारी फैलने

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

का खतरा

- शरणार्थियों के आगमन से नागरिकों के अधिकारों पर प्रभाव

- संसाधनों के वितरण में ज्यादा बंटवारे से क्षोभ असंतोष की भावना का जन्म संभव

- मानवाधिकारों के प्रति प्रतिबद्धता दिखाना

- मूलभूत बुनियादी सेवाओं तथा वस्तुओं तक पहुंच संबंधी आशंकाएं तथा चिंताएं

- अवैध अप्रवासन से मानव तस्करी, मादक पदार्थों का अवैध व्यापार संभव

- संगठित अपराधियों द्वारा इनका उपयोग

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अपराधों में कमी

- नागरिकता का मुद्दा।

(b) **शरणार्थी आगमन संबंधी सुझाव**

- पड़ोसी देश के साथ व्यापक राजनीतिक एवं राजनयिक वार्तालाप एवं सतत संवाद बनाना। इससे शरणार्थियों के प्रति समझ का विकास एवं पड़ोसी देश पर दबाव संभव

- सीमा पर चौकसी तथा निगरानी बढ़ाने हेतु उपाय ताकि अवैध अप्रवासन को रोका जा सके। इससे संगठित अपराध, कोविड-19 प्रसार तथा इस तस्करी पर नियंत्रण संभव

- अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं तथा एजेंसियों की भागीदारी हेतु कार्य करना जिससे

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

शरणार्थी समस्या का उपायी प्रबंधन संभव

- UN के माध्यम से दबाव बनाने हेतु कॉंवेंशन नीतियों का निर्माण करना
- नृजातीय संघर्ष (कमी) में रचनात्मक भूमिका तथा भारत की विविधता के अनुभवों का लाभ पड़ोसी देश को देने की पेशकश करना
- सीमा पर उचित शरणार्थी शिविर बनाना ताकि देश के भीतरी भागों तक पहुंच ना हो

उपरोक्त के साथ स्थानीय समुदाय की सहभागिता एवं पड़ोसी देश पर संघर्ष समाधान हेतु दबाव की भी अहम भूमिका है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Social interactions where a person is addressed by their correct name and pronouns, consistent with their gender identity, are widely recognized as a basic and yet critical aspect of gender affirmation. A national university invited speakers for a discussion on rights of sexual minorities in India. The panel included speakers representing a wide variety of opinions and perspectives on the issue. The debates, though largely peaceful, witnessed a controversy. A college association representing sexual minorities took offence against a panellist who cautioned against self-identification by sexual minorities and the liberal use of pronouns. The association reached out to the media and the localised controversy soon turned into a national issue across news networks and social media. The association demanded that the panellist apologise for his views and issue a public statement in this context. The panellist, on the other hand, seemed unmoved by the issue. In the meantime, the University has come under huge pressure to resolve the issue. The Vice Chancellor set up a Committee to look into the matter and its peaceful resolution. You have been appointed as the Chairperson of the Committee. In this regard, answer the following questions:

(a) Discuss the various moral issues involved in the case.

(b) Keeping the right to freedom of speech and expression in mind, highlight the steps you would take to resolve the issue and list arguments in support. **(20)**

सामाजिक संपर्क, जहां व्यक्ति को उनके सही नाम एवं सर्वनाम द्वारा और उनकी लैंगिक पहचान के अनुरूप संबोधित किया जाता है, को व्यापक रूप से लैंगिक पुष्टि के एक बुनियादी और महत्वपूर्ण पहलू के रूप में पहचाना जाता है। राष्ट्रीय स्तर के एक विश्वविद्यालय ने भारत में लैंगिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर चर्चा के लिए वक्ताओं को आमंत्रित किया है। उस पैनल में इस मुद्दे पर विभिन्न प्रकार की राय और दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करने वाले वक्ता शामिल थे। हालांकि, वहां की गई चर्चा काफी हद तक शांतिपूर्ण थी, लेकिन इसमें एक विवाद भी उत्पन्न हुआ। लैंगिक अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक कॉलेज एसोसिएशन ने लैंगिक अल्पसंख्यकों द्वारा आत्म-पहचान और सर्वनामों के उदार उपयोग के खिलाफ चेतावनी देने वाले एक पैनलिस्ट के खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शित किया। उस एसोसिएशन ने मीडिया के माध्यम से अपना मत व्यक्त किया और स्थानीय विवाद जल्द ही समाचार नेटवर्क और सोशल मीडिया पर एक राष्ट्रीय मुद्दे में बदल गया। उस एसोसिएशन ने मांग की कि वह पैनलिस्ट अपने विचारों के लिए माफी मांगे और इस संदर्भ में एक सार्वजनिक बयान जारी करे। दूसरी ओर, वह पैनलिस्ट इस मुद्दे से अप्रभावित था। साथ ही, विश्वविद्यालय पर मामले को सुलझाने का भारी दबाव है। कुलपति द्वारा मामले की जांच करने और इसके शांतिपूर्ण समाधान के लिए एक समिति का गठन किया गया है। आपको समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। इस संबंध में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल विभिन्न नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को ध्यान में रखते हुए, इस मुद्दे को हल करने के लिए आप जो कदम उठाएंगे उसे रेखांकित कीजिए और समर्थन में तर्क दीजिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) उपरोक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे

- वाक् तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं उसकी सीमा का निर्धारण
- पैनल चर्चा में शांतिपूर्वक विरोधी मत रखना तथा उसके विरुद्ध एक एक्टिविस्ट द्वारा उग्र विरोध
- स्थानीय विवाद का राष्ट्रीय मुद्दे के रूप में बदलना
- विचारों की अभिव्यक्ति पर माँफी माँगने का दबाव
- अल्पसंख्यक अधिकारों का प्रश्न
- पहचान की राजनीति में नाम तथा उपनाम का महत्व

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- मीडिया तथा सोशल मीडिया की भूमिका जोकि मुद्दों को गंभीर बनाने की ओर झुकी थी।
- ~~विश्व~~ विश्वविद्यालय पर जाँच तथा शांतिपूर्ण समाधान का दबाव

(b) **मुद्दे का समाधान हेतु कदम**

- विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित समिति के अध्यक्ष के रूप में शामिल सभी हितधारकों के साथ अलग-2 बैठक कर उनकी राय तथा विचार के प्रति समझ बनाना
इससे समस्या समाधान के प्रति गंभीरता का अहसास एवं सोचियत को होगा तथा उग्र विरोध प्रदर्शन ठंडा पड़ेगा।
- पैनलिस्ट की राय की वैधानिकता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जाँचने हेतु विधिक तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों से सहयोग की मांग
इससे कार्रवाई की वैधानिकता तथा औचित्यता का परीक्षण होगा।

– एसोसियन के विरोध के विरुद्ध तर्कों की कानूनी वैधता हेतु उनसे पाइंट्स की मांग
इससे एसोसियन पर दबाव बनेगा तथा अतार्किक मांग (अगर हुई) को प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

– विश्वविद्यालय की जाँच प्रणाली की समय-२ पर रिपोर्टिंग की अनुमति देना ताकि समस्या समाधान की गंभीरता का पता चल सके।
– पर्याप्त जाँच के पश्चात् एक विधिक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

तथा समग्र निष्कर्ष निकालना तथा इसके तर्काधारों को स्पष्ट करना।

उपरोक्त के दृष्टिगत यदि वक्ता का विचार वाद तथा अभिव्यक्ति स्वतंत्रता के दायरे में हुआ, तब छात्र संगठन को यह निर्देश देना कि अपनी मांग पर अड़ा ना रहे।

अगर वक्ता का व्यक्तव्य अभिव्यक्ति स्वतंत्रता का दमन करता प्रतीत हुआ तो कानून प्रवर्तन एजेंसी के पास मामले को भेजना ताकि प्रभावी विधायी कार्यवाई हो सके।

———— X ————

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ भी लिखें)

11. You are a young athlete representing India at an international-level competition. To your surprise, during the competition, you witness a few senior athletes injecting something using a syringe in private. When you approach them, they explain that it is a performance enhancing drug, which is very common in such competitions and you should take the same as well. You are aware that if these players get caught in a doping test, it may damage India's reputation. You are confused and afraid of the repercussions and decide to approach the coach to discuss the event you witnessed. However, you get to know that the athletes are taking the drug on the advice of the coach himself.

(a) What would you do in this scenario? Discuss the options available to you and chart your course of action.

(b) What are the reasons behind the use of performance enhancing drugs in competitive sporting events? How can this practice be minimized?

(20)

आप अंतर्राष्ट्रीय स्तर की एक प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एक युवा एथलीट हैं। आश्चर्यजनक रूप से, आप प्रतियोगिता के दौरान कुछ वरिष्ठ एथलीटों को गुप्त रूप से सिरिंज का उपयोग करके कुछ इंजेक्शन को लगाते हुए देखते हैं। जब आप उनसे संपर्क करते हैं, तो वे समझाते हैं कि यह प्रदर्शन बढ़ाने वाली एक दवा है, जो ऐसी प्रतियोगिताओं में बहुत आम है और आपको भी इसे लेना चाहिए। आप जानते हैं कि यदि ये खिलाड़ी डोपिंग टेस्ट में फंस जाते हैं तो इससे भारत की साख खराब हो सकती है। आप दुविधा में हैं और इसके परिणामों से डरते हैं। साथ ही, आप इस घटना पर चर्चा करने के लिए कोच से संपर्क करने का फैसला करते हैं। हालांकि, आपको पता चलता है कि एथलीट कोच की सलाह पर इस दवा को ले रहे हैं।

(a) इस परिदृश्य में आप क्या करेंगे? आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों पर चर्चा कीजिए और अपनी कार्रवाई की रूपरेखा तैयार कीजिए।

(b) प्रतिस्पर्धी खेल प्रतियोगिता के आयोजनों में प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के उपयोग के पीछे क्या कारण हैं? इस प्रथा को कैसे कम किया जा सकता है?

उपरोक्त केस स्टडी में डोपिंग दवा के सेवन का मुद्दा अंतर्निहित है।

शामिल हितधारक

— मैं खुद

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- साथी एथलिट
- कोच
- भारतीय टीम
- दवा प्रदाता
- खेल संघ

(4) मेरे सामने उपलब्ध विकल्प

विकल्प 1 → कोच को बताना ताकि मामला रिपोर्टिंग हो

गुण — ① डोपिंग मामला रिपोर्ट करना
② सत्यनिष्ठा की भावना
③ राष्ट्रीय सम्मान का संरक्षण

दोष →
① कोच की संलिप्तता से मामले की निष्पक्ष जाँच की आशंका नहीं
② टीम से बाहर होने का खतरा

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विकल्प 2

मामले को नजरअंदाज करना

गुण

- टीम भावना
- टीम में बने रहना
- बेहतर प्रदर्शन संभव

दोष

- सत्यनिष्ठा के विरुद्ध
- राष्ट्रीय प्रतिष्ठा धूमिल करने में भागीदारी

विकल्प 3

मामले की लिखित शिकायत करना तथा खेल संघ एवं मीडिया में गुप्त रूप से भेजना

गुण

- संलिप्तता उजागर करना
- प्रतिष्ठा बचाने में सहायक
- राष्ट्रीय दायित्व की सुरक्षा

दोष

- आपके बिना टीम का हो जाना
- टीम से बाहर होने की आशंका
- टीम भावना के विरुद्ध

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मेरी कार्यवाई

- मामले की लिखित शिकायत खेल संघ तथा सरकार के समक्ष
- जाँच हेतु अपनी सहभागिता
- टीम के सदस्यों को ऐसा ना करने हेतु समझाना तथा करने पर उनके कार्य का दबाव बनाना

(b) इन दवाओं के उपयोग के पीछे कारण

- प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने की मंशा
- चकाचौंध तथा ग्लैमर की दुनिया में टिके रहने की सोच
- कई पूर्व तथा वर्तमान खिलाड़ियों द्वारा लेने हेतु प्रोत्साहन
- व्यापक तथा कठोर निगरानी तंत्र का अभाव
- डोपिंग जाँच का कम आक्रामक तरीके

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

से निष्पादन

डोपिंग कम करने हेतु सुझाव

- कठोर नीतिगत तंत्र बनाना ताकि मामलों की जाँच त्वरित तथा आक्रामक रूप से हो
- खिलाड़ियों, कोच, खेल संघों सहित सभी हितधारकों को साथ लेकर WADA तथा NADA द्वारा कार्यक्रमों का आयोजन
- जागरूकता का प्रसार
- नशीली दवाओं के वितरण तंत्र पर चोट ताकि पहुँच बाधित हो

निष्पक्ष खेल अपनाने के माध्यम से टीम भावना बढ़ाने हेतु डोपिंग पर लगाम आवश्यक है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You have been newly appointed as the District Magistrate of a district, which is known for its rich mineral deposits. Following the news being circulated in the media about the illegal mining in your district, you have initiated an enquiry into it. When the State's Minister of Mines and Minerals gets to know of the enquiry initiated by you, he directs you to name some junior government employees as being involved in the wrongdoing and make them scapegoats. He also points out that elections to the State Assembly are around the corner and the present government wishes to stay clear of any political corruption. This Minister is a very influential figure in the present regime and there are high chances of the present ruling party being voted back to power. In due course of the enquiry, it has come to your notice that the said Minister has also been involved in illegal mining through his cronies.

The findings of the enquiry can affect the outcome of the elections as well as completely derail your career, if the incumbent party wins the elections, which looks very likely as per the polls.

Answer the following with reference to this case:

(a) Identify the stakeholders and the ethical issues in the given case.

(b) Critically evaluate the options in the given scenario and state your course of action, giving reasons. **(20)**

आपको एक ऐसे जिले के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया गया है, जो अपने समृद्ध खनिज भंडार के लिए जाना जाता है। आपके जिले में अवैध खनन के बारे में मीडिया में खबर प्रसारित होने के बाद, आपने इसकी जांच शुरू कर दी है। जब राज्य के खान और खनिज मंत्री को आपके द्वारा शुरू की गई जांच के बारे में पता चलता है, तो वो आपको कुछ कनिष्ठ सरकारी कर्मचारियों पर गलत काम में शामिल होने का आरोप लगाने और उन्हें बलि का बकरा बनाने का निर्देश देते हैं। वह यह भी बताते हैं कि राज्य विधान सभा के चुनाव नजदीक हैं और वर्तमान सरकार किसी भी राजनीतिक भ्रष्टाचार से दूर रहना चाहती है। वह मंत्री वर्तमान सरकार में एक अत्यधिक प्रभावशाली व्यक्ति है और साथ ही, वर्तमान सत्ताधारी दल के सत्ता में वापस आने की बहुत अधिक संभावना है। जांच के क्रम में आपके संज्ञान में आया है कि उक्त मंत्री अपने साथियों के माध्यम से अवैध खनन में शामिल रहा है। यदि सत्ताधारी दल चुनाव जीत जाता है, जिसकी अनुमानों के अनुसार संभावना अधिक है, तो आपकी जांच के निष्कर्ष चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के साथ-साथ आपके करियर को भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेंगे।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

(a) प्रदत्त प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) दिए गए परिदृश्य में उपलब्ध विकल्पों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए और कारण बताते हुए अपनी कार्रवाई का विवरण दीजिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(6)

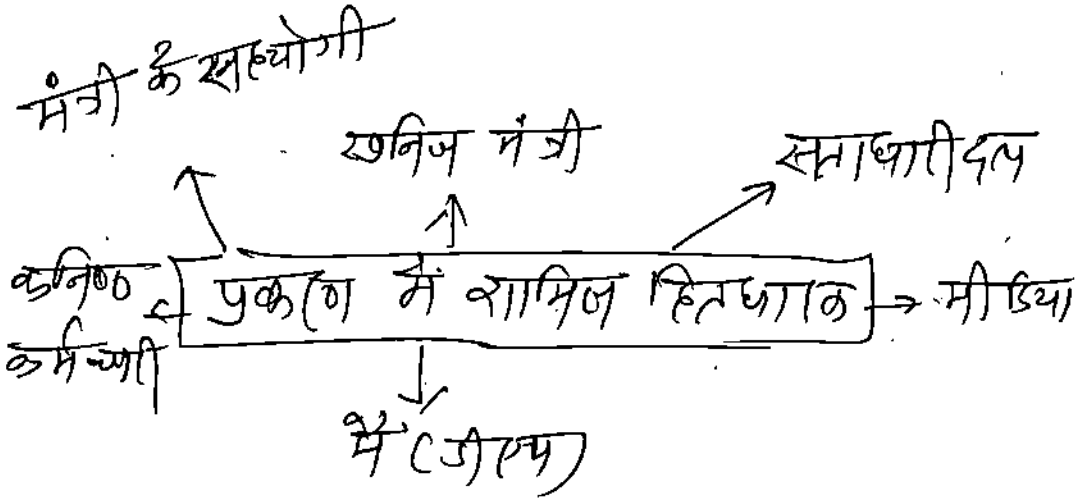

प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे

- सार्वजनिक नीति तथा कार्यक्रम में भ्रष्टाचार
- सार्वजनिक धन का अपव्यय
- योजना निर्माण में विलंब
- अवैध माफिया-राजनीति गठजोड़
- कनिष्ठ अधिकारियों को फँसाने की मंशा
- मेरा कैरियर प्रभावित होना

- जाँच में अवैध राजनीतिक हस्तक्षेप तथा दबाव

- चुनाव परिणाम पर राजनीतिक व्यवस्था का प्रभाव पड़ने की आशंका

(6) **उपलब्ध विकल्प 1**

जाँच हेतु टीम गठन तथा निष्कर्ष का इंतजार

गुण	दोष
(1) विधिक रूप से उचित प्रक्रिया का पालन	(1) राजनीतिज्ञ की दुश्मनी लेना
(2) निष्पक्षता भरी जाँच	(2) करियर पर प्रभाव संभव
(3) कर्मचारियों के प्रति संरक्षण	(3) तबादला संभव

उपलब्ध विकल्प 2

मंत्री के अनुरूप जाँच तथा अधिनस्थों पर

मामला कोड़ना

गुण	दोष
① राजनीतिज्ञ का सहयोग तथा समर्थन	① सत्यनिष्ठा पर प्रश्न चिह्न
② डीएम के रूप में कार्यकाल बरकरार रहना	② मेरी अवैध सहभागिता
	③ कर्मचारियों पर अनैतिक दुष्प्रभाव

मेरी कार्रवाई

① विधायी प्रक्रिया तथा कानून सम्मत दृष्टिकोण व जाँच हेतु टीम का गठन। इसमें कानून के शासन की अवधारणा पर जोर समर्थन

② जाँच निष्कर्ष आने पर वरिष्ठ अधिकारियों के पास लिखित सहयोग तथा समर्थन हेतु पत्राचार

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इससे पदानुक्रम व्यवस्था तथा प्रशासनिक मापदंड का अनुपालन होगा।

(3) राजनीतिक मंत्री के दबाव की जगह उनसे लिखित आदेश की मांग करना। इससे कर्मचारियों पर दोषारोपण नहीं हो पायेगा।

(4) सत्यनिष्ठा तथा संविधान के आदर्शों के प्रति मूल्यों पर दृढ़ता से अडिग रहते हुये अपनी कार्यवाई की औचित्यता सिद्ध करना

उपरोक्त के कारण वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग हो सकेगा साथ ही समाज, जनता, मीडिया तथा न्यायालय का सहयोग मिलना संभव हो पायेगा।